सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 225 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 24 सितम्बर, 2022

हमारे स्वप्न विशाल होने चाहिए। हमारी महत्वकांक्षा ऊंची होनी चाहिए। हमारी प्रतिबद्धता गहरी होनी चाहिए और हमारे प्रयत्न बड़े होने चाहिए।

-धीरूभाई अंबानी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

सही समय पर गुजरात के मुख्यमंत्री पद... 8 | सपा प्रमुख ने बदली रणनीति... 3 | राज्यपाल ने मांगा सत्र के विधायी... 7

विधान सभा में गेम खेलते और तंबाकू खाते भाजपा विधायकों का वीडियो वायरल, अखिलेश ने घेरा

सपा प्रमुख ने पूछा, इन पर सीएम कब चलाएंगे नैतिक बुलडोजर

» सपा ने शेयर किया, 22 सितंबर का बताया जा रहा है वीडियो

» महोबा सदर और झांसी के विधायक दिख रहे वीडियो में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानमंडल के मानसून सत्र के दौरान विधान सभा में दो भाजपा विधायकों का गेम खेलने और तंबाकू खाने का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में सदन में एक विधायक मोबाइल गेम खेल रहे हैं जबकि अन्य विधायक तंबाकू खा रहे हैं। सपा ने इस वीडियो को शेयर कर सरकार पर निशाना साधा है। वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने अपने ट्विटर हैंडल से यह वीडियो शेयर कर प्रदेश सरकार से पूछा है कि सत्र के दौरान इन माननीय विधायकों के खिलाफ मुख्यमंत्री नैतिक बुलडोजर कब चलाएंगे।

अखिलेश यादव ने ट्वीट किया, भाजपाई विधायक उप्र विधान सभा के सत्र में खेल रहे हैं ताश और कर रहे हैं प्रदेश का नाश। भाजपा के उन विधायक जी को धन्यवाद जिन्होंने पीछे से ये वीडियो बनाकर व वायरल कर जनहित का काम किया। अब देखना ये है कि मुख्यमंत्री इन माननीय

विधायक जी पर 'नैतिक बुलडोज़र' कब चलाएंगे? वहीं सपा ने ट्वीट करते हुए लिखा, सदन की गरिमा को तार-तार कर रहे भाजपा विधायक। महोबा से भाजपा विधायक सदन में मोबाइल गेम खेल रहे, झांसी से भाजपा विधायक तंबाकू खा रहे। इन लोगों के पास जनता के मुद्दों के जवाब हैं नहीं और सदन को मनोरंजन का अड्डा बना रहे हैं। बेहद निंदनीय एवं शर्मनाक। यह वीडियो 22 सितंबर 2022 का बताया जा रहा है। इसी दिन सदन में महिलाओं का विशेष सत्र मनाया गया था। सदन की कार्यवाही के दौरान महोबा से विधायक राकेश गोस्वामी मोबाइल में तीन पत्ती गेम खेलते नजर आए। राकेश गोस्वामी महोबा सदर विधान सभा 231 से विधायक हैं। वहीं, दूसरी तरफ झांसी से भाजपा विधायक रवि कुमार शर्मा टेबल के नीचे छुपकर तंबाकू खाते नजर आ रहे हैं। ये झांसी की सदर सीट से विधायक हैं।

रालोद ने भी साधा निशाना

रालोद ने अपने ट्विटर हैंडल से इस मामले को लेकर भाजपा पर हमला बोला है। रालोद ने ट्वीट किया, विधान सभा में तीन पत्ती का गेम खेलने वाले ये महाशय महोबा के भाजपा विधायक हैं। सदन के प्रति इनकी कर्मठता और जनता की समस्याओं को लेकर आए माननीय विधान सभा सदस्यों के प्रति इनकी मानसिकता का उदाहरण है इनका कृत्य। जनसेवा के प्रति ये है भाजपा के जनप्रतिनिधियों का चाल, चेहरा और चरित्र।

पीएफआई ने पीएम मोदी पर हमले की रची थी साजिश, निशाने पर थी पटना की रैली

» एनआईए और ईडी की पूछताछ में सनसनीखेज खुलासा, कई सदस्यों को दी गई थी ट्रेनिंग

» तैयार कर रहा था टेरर मॉड्यूल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के खिलाफ कार्रवाई कर रही जांच एजेंसियों ईडी और एनआईए ने सनसनीखेज खुलासा किया है। अधिकारियों के मुताबिक इस साल 12 जुलाई को पटना में पीएफआई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमले करने की साजिश रची थी। पीएम की यह रैली उसके टारगेट में थी। इसके अलावा वह अन्य हमलों के लिए टेरर मॉड्यूल तैयार कर रहा था।

ईडी के अधिकारियों ने बताया कि हमले के लिए पीएफआई ने पटना में कैंप लगाकर कई सदस्यों को ट्रेनिंग दी थी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने केरल से गिरफ्तार पीएफआई के सदस्य शफीक पैठ से पूछताछ की है। शफीक ने एजेंसी को बताया है कि उनके निशाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी पटना रैली थी।

चलाया गया था ऑपरेशन ऑक्टोपस

पीएफआई के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए जांच एजेंसियों ने ऑपरेशन ऑक्टोपस चलाया था। इसके तहत 22 सितंबर को 11 राज्यों में एनआईए, ईडी और राज्य पुलिस की एक संयुक्त टीम द्वारा किए गए कई छापे में 106 से अधिक पीएफआई सदस्यों को गिरफ्तार किया गया था। तीन पदाधिकारियों को दिल्ली से हिरासत में लिया गया था।

खाते में आए थे 120 करोड़

जांच के दौरान ये भी पता चला है कि पीएफआई के एकाउंट में एक साल में करीब 120 करोड़ जमा किए गए थे। इसके साथ ही जितना पैसा अकाउंट में जमा किया गया था उससे दोगुना रुपया कैश के रूप में एकत्र किया गया था। इन पैसों से देश भर में दंगों और आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की योजना थी।

कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू

» गहलोत, थरूर और मनीष तिवारी के नाम की चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया आज से शुरू हो गई है। नामांकन तीस सितंबर तक भरे जाएंगे। 19 अक्टूबर को कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव के नतीजे घोषित किए जाएंगे। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर के बीच कांग्रेस के अध्यक्ष पद को लेकर सीधा मुकाबला है। सूत्रों के मुताबिक मनीष तिवारी भी चुनाव लड़ने पर विचार कर रहे हैं।

चुनाव के रिटर्निंग अधिकारी के रूप में नामांकन पत्र लेने के लिए केंद्रीय चुनाव समिति के अध्यक्ष मधुसूदन मिस्त्री दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय में उपलब्ध रहेंगे। राजस्थान के मुख्यमंत्री गहलोत ने साफ कर दिया कि इस बार गांधी परिवार से अध्यक्ष पद का कोई उम्मीदवार नहीं होगा। साथ ही कहा कि यह तय है कि मैं अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ूंगा। मैं जल्द ही नामांकन दाखिल करने की तारीख तय करूंगा। वहीं शशि थरूर ने अपने प्रतिनिधि के माध्यम से नामांकन पत्र मंगवाया है।

महिलाओं के अधिकार और सुरक्षा के लिए यादगार रहेगा मानसून सत्र

» यौन उत्पीड़न के मामलों में आरोपियों को अग्रिम जमानत नहीं देने के लिए विधेयक भी पारित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 18वीं विधानसभा का पहला मानसून सत्र महिलाओं की सुरक्षा और अधिकार के लिहाज से यादगार रहेगा। विधानमंडल के दोनों सदनों में पहली बार महिला विधायकों को अपने अधिकार, समस्याओं और सुझावों पर एक पूरा दिन बोलने मौका मिला। वहीं महिलाओं और बेटियों के यौन उत्पीड़न के मामलों में आरोपियों को अग्रिम जमानत नहीं देने के लिए विधेयक भी पारित किया गया। 19 सितंबर से शुरू हुआ विधानसभा का मानसून सत्र 23 सितंबर को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया। सत्र का पहले दिन पूर्व विधायक अरविंद गिरी के निधन पर शोक प्रस्ताव के बाद सदन स्थगित किया गया। 20 से 23 सितंबर तक सदन में कुल 74 तारांकित और 610 अतारांकित प्रश्न पूछे गए।

सदन में पांच महत्वपूर्ण विधेयक भी पारित किए गए। विधानमंडल में 22 सितंबर को महिला विधायकों के लिए विशेष सत्र आयोजित किया गया। विधानसभा की 47 में से 38 विधायकों ने महिला अधिकार, रोजगार, शिक्षा, सुरक्षा, स्वावलंबन जैसे विषयों पर अपनी राय रखी। इसके जरिये ना केवल महिला विधायकों का वाकचातुर्य और राजनीतिक कौशल सामने आया वहीं क्षेत्र की समस्याओं के निस्तारण में उनकी संवेदनशीलता भी प्रकट हुई। महिलाओं की चर्चा में सामने आए निष्कर्ष पर बुकलेट प्रकाशित कराकर उसे सभी प्रदेशों की विधानसभा और लोकसभा के पुस्तकालय में भेजा जाएगा। इतना ही नहीं, सरकार महत्वपूर्ण मुद्दों पर कदम भी उठाएगी। सदन के अंतिम दिन दंड प्रक्रिया (उत्तर प्रदेश संशोधन) विधेयक 2022 पारित किया, इसके तहत अब बालकों से कुकर्म, बेटियों और महिलाओं के यौन उत्पीड़न के आरोपियों को अग्रिम जमानत नहीं मिलेगी। मानसून सत्र को दंगा और उपद्रव में किसी व्यक्ति की मौत पर दंगाइयों से न्यूनतम पांच लाख रुपये का मुआवजा वसूल कर आश्रितों दिलाने और दिव्यांगता पर एक लाख रुपये का मुआवजा दिलाने जैसे महत्वपूर्ण विधेयक पारित करने के लिए भी याद किया जाएगा। सदन में मुख्यमंत्री ने सूखे से प्रभावित किसानों को भी मदद की घोषणा की। विधानमंडल का मानसून सत्र के पहले दिन सपा विधायकों ने सपा कार्यालय से विधानभवन तक पैदल मार्च किया।

विधान सभा में ये विधेयक हुए पारित

उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर संशोधन विधेयक -2022। सामान्य भविष्य निधि (उत्तर प्रदेश) नियमावली 1985 नियम 12 (संशोधन और विधिमान्यकरण) विधेयक-2022। इंटरमीडिएट शिक्षा संशोधन विधेयक -2022। दंड प्रक्रिया संहिता (उत्तर प्रदेश संशोधन) विधेयक -2022। उत्तर प्रदेश लोक तथा निजी संपत्ति क्षति वसूली संशोधन विधेयक -2022।

अहंकार हो गया सपा मुखिया को, भ्रम जल्द टूटेगा : राजभर

» समाजवादी पार्टी को 47 से 125 विधायक तक पहुंचाया, फिर 45 पर लाने की क्षमता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 में समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ने वाली सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के मुखिया ओमप्रकाश राजभर का सपा से तलाक होने के बाद राजभर के अखिलेश यादव पर लगातार हमले तेज होते जा रहे हैं। वह पूरे उत्तर प्रदेश में अपनी पार्टी का संगठन मजबूत करने के साथ ही बिहार पर पांव पसार रहे हैं।

मऊ में बैठक में उन्होंने कार्यकर्ताओं में जोश भरा। इतना ही नहीं, बैठक में उन्होंने साफ कह दिया कि अब तो हमारे निशाने पर सिर्फ समाजवादी पार्टी ही है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव को बहुत अहंकार हो गया है। राजभर ने कहा कि वह शायद भूल रहे है कि उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2022 में मैंने उनकी पार्टी के विधायकों की संख्या को 47 विधायकों से 125 पर पहुंचा दिया था।

प्रदेश महासचिव ने इस्तीफा देकर लगाए राजभर पर गंभीर आरोप

सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर को तगड़ा झटका लगा है। यूपी के देवरिया निवासी प्रदेश महासचिव अभय नंदन बरनवाल ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा कि वह पार्टी की नीतियों से आहत हैं। अभय नंदन बरनवाल ने पार्टी प्रमुख पर गंभीर आरोप लगाए हैं। बरनवाल ने कहा कि ओम प्रकाश राजभर कहते हैं कि चुनाव लड़ने के लिए तैयारी करो। नेता और कार्यकर्ता पांच साल तैयारी करते हैं। इसके बाद जब चुनाव आता है, तो राजभर किसी पार्टी से गठबंधन कर लेते हैं। फिर कहते हैं कि टिकट नहीं मिली, तो अब हम क्या करें।

सपा प्रवक्ता आईपी सिंह को जमानत पर रिहा करने का आदेश

» 22 साल पुराने मामले में गए थे जेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने सपा प्रवक्ता आईपी सिंह को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति श्रीप्रकाश सिंह की एकल पीठ ने आईपी सिंह की जमानत याचिका को मंजूर करते हुए यह आदेश दिया। इससे पहले बलरामपुर जिले की विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट ने हाजिर न होने पर उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था।

बाद में 15 सितंबर को उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया था। गौरतलब है कि आईपी सिंह पर वर्ष 2000 में जिला पंचायत चुनाव में गड़बड़ी करने का आरोप है। बलरामपुर के देहात थाना पुलिस ने उन्हें बूथ कैप्चरिंग और बवाल के मामले में गिरफ्तार किया था। अब यह मुकदमा बलरामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट में विचाराधीन है। सपा प्रवक्ता आईपी सिंह के न हाजिर होने पर कोर्ट ने उन्हें कई बार समन भेजा लेकिन वह हाजिर नहीं हुए। इस पर उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया।

अतुल राय को बरी करने के खिलाफ सुनवाई टली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में घोसी के सांसद अतुल राय को छात्रा से रेप के आरोप में बरी करने के खिलाफ दाखिल अपील पर सुनवाई टल गई है। मामले में अब दूसरी खंडपीठ सुनवाई करेगी। राज्य सरकार की आपराधिक अपील न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्र तथा न्यायमूर्ति शिव शंकर प्रसाद की खंडपीठ के समक्ष सुनवाई के लिए सूचीबद्ध थी। लेकिन, इस खंडपीठ ने एमपीएमएलए मामलों में क्षेत्राधिकार न होने के कारण स्वयं को सुनवाई से अलग करते हुए सक्षम अदालत में पेश करने का आदेश दिया है। मामले में छह अगस्त 2022 को एमपीएमएलए विशेष अदालत वाराणसी ने सांसद को एक छात्रा से रेप के आरोप में दोषमुक्त कर दिया था।

फोटो : 4पीएम

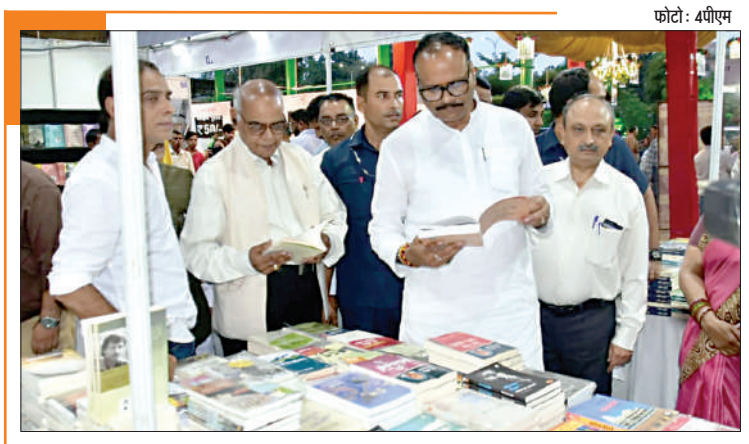

राष्ट्रीय पुस्तक मेले का शुभारंभ

बलरामपुर गार्डेन में कल से 19वां राष्ट्रीय पुस्तक मेले का शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिप्टी सीएम बृजेश पाठक थे। उन्होंने मेले का उद्घाटन करते हुए कहा कि वर्तमान दौर में अधिकतर युवा इंटरनेट से ज्ञान हासिल करते हैं, जबकि पुस्तक को पढ़ने से उसका छिपा हुआ अक्स लंबे समय तक स्मृतियों में ताजा बना रहता है। इसलिए पुस्तक मेले छात्र-छात्राओं के लिए बहुत अहमियत रखते हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पुस्तकें तनाव को कम करती हैं। ज्ञान अर्जित होने से परेशानियां भी दूर होती है। उन्होंने कहा कि पुस्तकें सोचने का नजरिया बदल देती हैं। वहीं ये तनाव मुक्त भी करती हैं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

डीएम की अनुमति के बिना रात में नहीं हो सकेगा अंतिम संस्कार

» गृह विभाग ने जारी की एसओपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हाथरस मामले में आधी रात को पीड़िता के अंतिम संस्कार को लेकर हुए बवाल को देखते हुए सरकार ने ऐसी घटनाओं में मृतकों के अंतिम संस्कार के लिए 'स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर' (एसओपी) जारी कर दी है। इसमें तय किया गया है कि अब डीएम की अनुमति के बगैर रात को अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा। हाईकोर्ट के निर्देश पर गृह विभाग द्वारा तैयार एसओपी में किसी घटना में मारे गए व्यक्ति के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया का निर्धारण किया गया है।

नई व्यवस्था के मुताबिक यदि मृत व्यक्ति का अंतिम संस्कार रात में ही जरूरी है और कानून-व्यवस्था बिगड़ने की अंदेशा है तो ऐसी स्थिति में डीएम की अनुमति लेना जरूरी होगा। नई एसओपी में दो स्तरीय समिति गठित करने का भी प्रावधान किया गया है। पहली समिति में घटना स्थल से संबंधित गांव या मोहल्ले के लोगों की होगी।

रात में अंतिम संस्कार के लिए मनाएगी एसडीएम की अध्यक्षता वाली कमेटी

हाईकोर्ट के निर्देश पर गृह विभाग द्वारा तैयार एसओपी में किसी घटना में मारे गए व्यक्ति के अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को राजी करने के लिए दो कमेटी बनाने का प्रावधान किया गया है। पहली समिति में घटना स्थल से संबंधित गांव या मोहल्ले के लोगों की होगी। यह कमेटी मृतक के परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए राजी करेंगे। यदि मृतक के परिजन पहली समिति की बात मानने से इंकार करते हैं तो एसडीएम की अध्यक्षता वाली समिति पहली समिति के लोगों को साथ लेकर खुद परिजनों से मिलकर उन्हें राजी करने का प्रयास करेगी। एसडीएम की अध्यक्षता वाली समिति को रात में अंतिम संस्कार करने के संबंध में मृतक केपरिजनों को तैयार करना होगा और स्पष्ट कारण भी बताना होगा कि क्यों रात में अंतिम संस्कार करना जरूरी है।

सपा प्रमुख ने बदली रणनीति, पुराने सिपहसालारों को एकजुट करने में जुटे

- आजमगढ़ और रामपुर लोक सभा उपचुनाव के बाद हुए मुखर
- आजम खां के मुद्दे पर सदन से राजभवन तक उठायी आवाज
- मुस्लिम वोटरों को भी सहेजने की है बड़ी चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोक सभा चुनाव से पहले सपा प्रमुख अखिलेश यादव अपने पुराने सिपहसालारों को एकजुट करने में जुटे हैं। आजमगढ़ और रामपुर लोक सभा उपचुनाव हारने के बाद उन्होंने अपनी रणनीति बदल दी है। विधान सभा चुनाव के दौरान आजम खां के प्रति चुप्पी साधे रहे अखिलेश अब इस मामले में खुलकर आवाज उठा रहे हैं। वे सदन से राजभवन तक आजम खां के उत्पीड़न का मुद्दा उठा रहे हैं। माना जा रहा है कि इसके पीछे सपा अपने मुस्लिम वोटरों को सहजने का भी दांव चल रही है।

फोटो: सुमित कुमार

विधान सभा चुनाव के समय अखिलेश यादव से आजम खां की नाराजगी की खबरें सुखियों में थीं। सीतापुर की जेल में रहने के दौरान अखिलेश कभी आजम खान से मिलने नहीं गए। इस मामले को लेकर शिवपाल सिंह यादव ने भी उन पर निशाना साधा था। वहीं जेल से बाहर आने के बाद आजम भी इशारों ही इशारों में अखिलेश पर निशाना साधते रहे लेकिन अखिलेश ने चुप्पी साधे रखी। अखिलेश और आजम के बीच बढ़ती दूरियां यूपी की सियासत में बड़ा मुद्दा बन गई थीं लेकिन रामपुर और आजमगढ़ लोक सभा उपचुनाव में सपा की हार के बाद अब उन्होंने रणनीति बदल दी है। पिछले कुछ दिनों से सपा और उन्होंने खुद आजम खां के मुद्दे पर मुखर होकर बोलना शुरू कर दिया है। विधान सभा में भी आजम की यूनिवर्सिटी की जांच का मुद्दा उठाया था। इसके बाद वे शुक्रवार को 12 विधायकों के साथ राजभवन पहुंचकर राज्यपाल से इस मामले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि आजम खां पर जिस तरह लगातार मुकदमे लगाए जा रहे हैं जिस तरह की ज्यादती की जा रही है उनको लेकर राज्यपाल को जानकारी दी गई है। पिछले दिनों अखिलेश ने आजम खां के अस्पताल से डिस्चार्ज होने पर दिल्ली जाकर भी उनसे मुलाकात भी की थी। अखिलेश के निर्देश पर कुछ समय पहले वेस्ट यूपी के दौरे पर गए सीएम योगी आदित्यनाथ से भी पार्टी सांसद एचटी हसन की अगुवाई में सपा नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल आजम खां के मुद्दे पर मिला था। राजनीति के जानकारों का कहना है कि अखिलेश को पता है कि आजम खां की नाराजगी सपा को भारी पड़ सकती है क्योंकि मुस्लिमों का बड़ा तबका उनके साथ है और विधान सभा चुनाव में मुस्लिमों ने सपा को एकतरफा वोट दिए थे। लोक सभा चुनाव से पहले यदि इसमें सेंध लग गयी तो उनके लिए मुश्किल खड़ी हो जाएगी। लिहाजा उन्होंने आजम को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

जेल में मिल चुके हैं रमाकांत यादव से

अखिलेश ने यह समझ लिया है कि उन्हें 2024 के लोक सभा चुनाव और यूपी में 2027 में होने वाले विधान सभा चुनाव तक पार्टी को भाजपा से मुकाबले के लिए तैयार रखना है। ऐसे में पार्टी में पूरी तरह एकजुटता कायम करनी होगी। इसी क्रम में उन्होंने पार्टी के पुराने नेताओं और सिपहसलारों को नए से सिरे जोड़ने की कवायद शुरू कर दी है। पिछले दिनों आजमगढ़ जाकर जेल में बंद रमाकांत यादव से मुलाकात करना और लगातार आजम का मुद्दा उठाना इसी रणनीति का हिस्सा है।

मुस्लिम वोटरों पर बसपा प्रमुख की भी नजर

भले ही आजमगढ़ लोक सभा चुनाव में बसपा प्रत्याशी गुड्डू जमाली को हार का सामना करना पड़ा हो लेकिन जिस तरह यहां मुस्लिमों ने बसपा का साथ दिया उससे मायावती गदगद है। अब वे दलित-मुस्लिम गठजोड़ के जरिए प्रदेश की सियासी जमीन मजबूत करने में जुटी हैं। यही वजह है कि वे लगातार मुस्लिमों के मुद्दे पर भाजपा व योगी सरकार पर हमलावर हैं। मायावती चाहती हैं कि सपा के पाले में गए मुस्लिम वोटर उनके पाले में आ जाएं। मायावती के इस दांव से सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी सतर्क हैं।

योगी सरकार का स्वास्थ्य सेवाओं पर फोकस

सात नर्सिंग व एक पैरामेडिकल कॉलेज में 7.50 करोड़ के खरीदे जाएंगे उपकरण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में सात राजकीय मेडिकल कॉलेजों से संबद्ध सात नर्सिंग व एक पैरामेडिकल कॉलेजों में जरूरी उपकरण खरीदने के लिए 7.50 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। मानक के अनुसार बेहतर ढंग से पढ़ाई व प्रशिक्षण विद्यार्थियों को दिया जा सके इस पर चिकित्सा शिक्षा विभाग पूरा जोर दे रहा है।

नर्सिंग व पैरामेडिकल कॉलेजों में सुधार के लिए सभी जरूरी उपाय किए जा रहे हैं। जल्द सरकारी व निजी नर्सिंग और पैरामेडिकल कॉलेजों के मानकों की जांच के लिए मिशन निरामया: भी शुरू की जाएगी। जिन जिलों के राजकीय मेडिकल कॉलेजों के संबद्ध नर्सिंग कॉलेजों में उपकरण खरीदे जाएंगे उनमें गोरखपुर, कन्नौज, प्रयागराज, मेरठ, आगरा व कानपुर और इसके अलावा कॉलेज ऑफ नर्सिंग कानपुर शामिल हैं। वहीं राजकीय मेडिकल कॉलेज झांसी से संबद्ध पैरामेडिकल कॉलेज शामिल हैं। 7.50 करोड़ रुपये से यहां नर्सिंग फाउंडेशन एंड मेडिकल सर्जिकल लैब, प्री क्लीनिकल साइंस लैब और उससे संबंधित जरूरी उपकरण खरीदे जाएंगे ताकि यहां विद्यार्थियों को बेहतर ट्रेनिंग दी जा सकी। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का प्रदेश की स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर करने के साथ ही मेडिकल शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने पर भी पूरा फोकस है। इसी को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा था कि किसी भी कीमत पर मानक पूरे न करने वाले नर्सिंग व पैरामेडिकल संस्थानों को मान्यता नहीं मिलनी चाहिए।

पांच वर्षों में 10 हजार नए स्वास्थ्य उपकेंद्र बनाने का लक्ष्य

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दूसरे कार्यकाल के लिए संकल्प लिया है कि अगले पांच वर्ष में 10,000 नए स्वास्थ्य उपकेंद्र बनाए जाएंगे। यह प्रयास हेल्थ नेटवर्क को निचले स्तर तक बढ़ाने का है। इसके लिए डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी पर भी सरकार की नजर है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में डॉक्टर और नर्स का औसत 1:1 बनाने का निर्देश देते हुए छह माह में 10,000 पैरामेडिकल स्टाफ की भर्ती के लिए भी कहा है। योगी मंत्रिमंडल के समक्ष चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेक्टर की चरणबद्ध कार्ययोजना प्रस्तुत की गई। इस सेक्टर में शामिल चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, आयुष, बाल विकास एवं पुष्टाहार सहित खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने अपनी योजनाएं प्रस्तावित कीं। बिंदुवार समीक्षा के बाद सीएम योगी ने कहा कि पिछले पांच वर्ष में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के क्षेत्र में प्रदेश में अभूतपूर्व काम हुआ है। उन्होंने कहा कि एक टीम के रूप में यह प्रयास सतत जारी रखा जाए। लक्ष्य तय करते हुए कहा कि सभी विधान सभा क्षेत्रों में 100 शैया के अस्पताल की उपलब्धता कराई जाए। विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर चरणबद्ध रूप से इसे पूरा कराएं। जिस तरह पिछले पांच वर्षों में 5000 स्वास्थ्य उपकेंद्रों की स्थापना की गई, उसी तरह अगले पांच वर्ष में 10,000 नए उपकेंद्र बनाने हैं। बेहतर चिकित्सा सेवाओं के लिए डॉक्टरों और नर्सों की पर्याप्त तैनाती होनी चाहिए। डॉक्टर-नर्स का अनुपात 1:1 हो।

मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पतालों में बनेंगे नर्सिंग कालेज

स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए तय किया है कि सरकारी मेडिकल कॉलेजों व जिला अस्पतालों में नर्सिंग कॉलेज की स्थापना कर सीटें बढ़ाई जाएंगी। संसाधन निचले स्तर तक बढ़ाने पर जोर है। हर आंगनबाड़ी केंद्र का अपना भवन होगा। इन्हें प्री-प्राइमरी के रूप में विकसित किया जा रहा है। कम से कम 5000 नए आंगनबाड़ी केंद्रों बनाने का लक्ष्य रखा गया है। योगी सरकार ने अगले सौ दिन के लक्ष्य में रखा है कि सभी राज्य कर्मचारी और पेंशनरों को कैशलेस इलाज की सुविधा दी जाएगी। वहीं, सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और स्वास्थ्य सखियों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ दिलाया जाएगा। मानसिक रोगियों की सहायता के लिए निजी स्वयंसेवी संस्थाओं का सहयोग लेने का सुझाव सीएम ने दिया है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

रुपये में गिरावट के निहितार्थ

भारतीय मुद्रा रुपये में गिरावट जारी है। पिछले दो साल में यह डॉलर के मुकाबले अपने सबसे निचले पायदान पर है। यह प्रति डॉलर 81 रुपये के करीब पहुंच चुका है। इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा और विदेशों से आयातित वस्तुओं के दाम बढ़ेंगे। सवाल यह है कि रुपये में लगातार गिरावट क्यों हो रही है? क्या अमेरिकी बैंक की नीतियों के कारण रुपये पर विपरीत असर पड़ा है? भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर इसका क्या असर पड़ेगा? क्या भारतीय बाजार से विदेशी निवेशकों द्वारा पूंजी निकालने के कारण हालात खराब हो रहे हैं? क्या भारतीय रिजर्व बैंक इसको रोकने के लिए भविष्य में अपनी ब्याज दरों को बढ़ा सकता है? क्या कोरोना और यूक्रेन-रूस युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ रही महंगाई का असर भारतीय मुद्रा पर भी पड़ रहा है? क्या सरकार आम आदमी को महंगाई से राहत दिलाने के लिए कोई ठोस कदम उठाएगी?

सवाल यह है कि रुपये में लगातार गिरावट क्यों हो रही है? क्या अमेरिकी बैंक की नीतियों के कारण रुपये पर विपरीत असर पड़ रहा है? भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर इसका क्या असर पड़ेगा? क्या भारतीय बाजार से विदेशी निवेशकों द्वारा पूंजी निकालने के कारण हालात खराब हो रहे हैं? क्या भारतीय रिजर्व बैंक इसको रोकने के लिए भविष्य में अपनी ब्याज दरों को बढ़ा सकता है?

कोरोना ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को चौपट कर दिया है। रही सही कसर रूस-यूक्रेन युद्ध ने पूरी कर दी है। इसके कारण पूरी दुनिया में महंगाई तेजी से बढ़ रही है। महंगाई को नियंत्रित करने के लिए अमेरिकी फेडरल बैंक अपनी ब्याज दर बढ़ा रहा है। चूंकि अधिकांश अंतरराष्ट्रीय व्यापार डॉलर के जरिए होता है लिहाजा इसका असर भारत समेत तमाम देशों की मुद्राओं पर पड़ रहा है। ब्याज दर बढ़ने के कारण विदेशी निवेशक अपनी पूंजी यहां से निकालकर अमेरिका में लगा रहे हैं। इससे कारण देश के विदेशी मुद्रा भंडार में कमी हो रही है। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक 16 सितंबर को देश का विदेशी मुद्रा भंडार गिरकर 545.652 बिलियन डॉलर पर आ गया जो पिछले सप्ताह 550.871 बिलियन डॉलर था। रुपये के कमजोर होने से भारत का आयात खर्च बढ़ेगा। भारत को आयात के लिए पहले के मुकाबले ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ेंगे। इसका असर विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ेगा। इसके अलावा रुपये के कमजोर होने से आयात पर निर्भर कंपनियों का लाभ कम होगा तो वे इसकी भरपाई के लिए वस्तुओं के दाम बढ़ाएंगी। विशेषकर पेट्रोलियम उत्पाद के मामले में भारत की आयात पर निर्भरता ज्यादा है। लिहाजा इसके दाम बढ़ सकते हैं। वहीं विदेश घूमना, विदेश से सर्विसेज लेना आदि भी महंगा हो जाएगा। जाहिर है, रुपये को और गिरने से बचाने के लिए रिजर्व बैंक आने वाले दिनों में ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर सकता है। इसके कारण होम और कार लोन महंगा हो जाएगा। सरकार को महंगाई को नियंत्रित करने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे साथ ही रुपये की गिरावट को रोकने के लिए भी फौरी उपाय करने होंगे।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

वैश्विक मानकों के अनुरूप हो चिकित्सा शोध

के के तलवार

दवा और स्वास्थ्य क्षेत्र में हम 1947 के हालात से बहुत आगे आ चुके हैं। केंद्र और राज्य सरकारें हर स्तर पर वहनयोग्य स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रयासरत हैं। अब जबकि हमारे पास विश्वस्तरीय मेडिकल विशेषज्ञताएं हैं और हमें भारत के एक स्वास्थ्य देखभाल पर्यटन केंद्र बनकर उभरने पर गर्व है, जब मध्य एशिया, अफ्रीका और दक्षिण एशिया से मरीज पश्चिमी देशों की बजाय वाजिब दाम पर गुणवत्तापूर्ण और भरोसेमंद इलाज के लिए आ रहे हैं लेकिन पिछले 75 सालों के इस पहलू पर आत्मविश्लेषण की जरूरत है कि क्यों चिकित्सा क्षेत्र से एक भी भारतीय को नोबेल पुरस्कार के लिए नामांकन नहीं मिला। जब हमारी होड़ चीन की आर्थिक वृद्धि दर से हो सकती है तो फिर चिकित्सा खोज में क्यों नहीं? चीनी चिकित्सा साइंसदान तू यूयू को वर्ष 2015 में संयुक्त नोबेल पुरस्कार मिला था। यह विशिष्टता हमें कब नसीब होगी? हालांकि विदेशी नागरिकता प्राप्त एक भारतीय और तीन भारतीय मूल के वैज्ञानिकों को विज्ञान का नोबेल पुरस्कार मिल चुका है।

देश में प्रतिभा की कोई कमी नहीं किंतु गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान के लिए आवश्यक माहौल, बुनियादी ढांचा और मौलिक विचारों का अभाव है। अधिकांश चिकित्सा संस्थानों में होने वाले अनुसंधान की गुणवत्ता दोयम है और डाटा बताता है कि पीयर-रिव्यू जर्नल्स में कुछ मेडिकल कॉलेजों की ओर से तो एक भी शोध-पत्र प्रकाशित नहीं हुआ। अग्रणी चिकित्सा संस्थानों से भले ही बहुत शोध-पत्र छपे हों, लेकिन इनमें भी 90 प्रतिशत को कुल उल्लेख-संदर्भों (साईटेशन) की 25 फीसदी मात्रा नहीं बनती इसलिए न सिर्फ अनुसंधान करना महत्वपूर्ण है बल्कि गुणवत्ता भी जरूरी है। भारत से प्रकाशित शोध-पत्र अधिकांशत: यूरोप और अमेरिका में चल रहे शोध-कार्यों का विस्तार-अनुसरण (फॉलो-अप) होते हैं। हमें अपने युवाओं में मौलिक सोच और नयी खोज करने की आदत डालनी होगी। खोज के तरीकों का प्रशिक्षण देना अहम है और फिलवक्त यह हमारी कमी है। नतीजतन, रेज़ीडेंट डॉक्टर और यहां तक कि मेडिकल फैकल्टी के सदस्य भी चल रहे अनुसंधान कार्यों का विश्लेषण करने में असमर्थ हैं।

रेजीडेंट डॉक्टरों को खोज कार्य और बढ़िया शोध-पत्र के लिए

उत्साहित करना चाहिए और अच्छा कर दिखाने वालों को फैकल्टी में चुने जाने में तरजीह देने का प्रोत्साहन रखा जाए। खोज कार्य की शृंखला में क्लीनिकल प्रयोग करने वालों और मूल साइंसदानों के बीच सीधे संवाद की कमी है, लिहाजा बहुत-सा अनुसंधान व्यर्थ जाता है। मेडिकल कॉलेजों और संस्थानों में ऐसा माहौल हो कि युवा वैज्ञानिक बड़े सपने देखें और फलीभूत करें। मेडिकल कॉलेजों को आईसीएमआर, डीएसटी, सीएसआईआर और आईआईटी से मिलकर संयुक्त खोजी उपक्रम को बढ़ावा देना चाहिए। इससे समस्या-मूलक और खोजपरक अनुसंधान को बढ़ावा मिलता है। उद्योगों की बात करें तो दवा उत्पादक और बायोमेडिकल क्षेत्र को प्रोत्साहन और नए दवा घटक एवं बायोमेडिकल सामग्री बनाने में निवेश को बढ़ावा दिया जाए। हमें अपनी परंपरागत आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति को जोड़कर, इसके चिरकालीन दवा ज्ञान का मूल्यांकन आधुनिक वैज्ञानिक ढंग से करके उपयोगिता सिद्ध करनी चाहिए। हालांकि भारतीय मेडिकल क्षेत्र में कुछ गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान हुए हैं। भारत ने आयोडीन की कमी से पैदा होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान की है। भारतीय खोजों में एक अन्य महत्वपूर्ण है डॉ. शम्भूनाथ डे द्वारा हैजे का निदान। प्रतिष्ठित मेडिकल पत्रिका 'नेचर' में इसका जिक्र हुआ, समीक्षा करते हुए नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर जोशुआ लैडलबर्ग ने कहा 'डे के क्लीनिकल प्रयोग उनकी इस खोज को पुख्ता करते हैं कि शरीर में पानी की कमी हैजा विषाणुओं की विषाक्तता बढ़ने का मुख्य कारक है, और अमाशय-आंतों में केवल पानी की मात्रा बढ़ाने भर से यह खत्म होने लगती है।' डॉ. डे की यह खोज दस्त लगने पर दिए जाने वाले मौजूदा अधिकांश जीवन-रक्षक घोलों का आधार बनी। तपेदिक और कुष्ठ रोग के उपचार में भी भारतीय वैज्ञानिकों का योगदान बहुत महत्वपूर्ण है। कोविड वैक्सीन का विकास एक अन्य बड़ी सफलता गाथा है। यही समय है, आकर्षक प्रोत्साहन देकर अच्छी मेडिकल रिसर्च को बढ़ावा दिया जाए। यही वजह है कि प्रधानमंत्री मोदी ने 'जय जवान-जय किसान' के साथ 'जय अनुसंधान' का नारा जोड़कर खोज कार्यों के महत्व को रेखांकित किया है।

ब्रिटेन : दो समुदायों में तनाव के मायने

अनुरंजन झा

ब्रिटेन में हो रहा हिंदू-मुसलमान का झगड़ा दरअसल सिर्फ दो समुदायों के बीच की लड़ाई नहीं है, इसके पीछे अंतरराष्ट्रीय ताकतें हैं, जो भारत और पाकिस्तान के विवाद को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बरकरार रखने की कोशिशों में जुटी हुई हैं। भारत और पाकिस्तान दोनों को ब्रिटेन से आजाद हुए 75 साल हो चुके हैं। इन सालों में इन दोनों देशों की कई पीढ़ियां ब्रिटेन में गुजर चुकी हैं। जब ब्रिटेन महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के अंतिम संस्कार की तैयारी में लगा था, तब यहां के कुछ शहरों में तनाव सुलग रहा था। इसका नतीजा महारानी की अंतिम यात्रा के दो दिन पहले से साफ दिखने लगा, जब इंग्लैंड के पूर्वी मिडलैंड्स में स्थित लेस्टर शहर में हिंदुओं और मुसलमानों के बीच झड़प हुई। इसके पीछे तात्कालिक कारण भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच में भारत की जीत का जश्न था। झड़प के खिलाफ प्रदर्शन हुए और फिर हिंसा भड़क गयी।

दोनों पक्ष एक-दूसरे पर हमला कर रहे थे, जिसे रोकने में करीब डेढ़ दर्जन पुलिसकर्मी घायल हुए। अब तक 47 लोगों को हिरासत में लिया गया है। साथ ही, 21 साल के युवक युसूफ को चाकू रखने के लिए एक साल की सजा भी हो गयी है। उसने स्वीकार किया कि वह सोशल मीडिया से प्रभावित होकर चाकू लेकर प्रदर्शन में शामिल हुआ था। लेस्टर ब्रिटेन के उन शहरों में है, जहां सबसे ज्यादा गैर ब्रिटिश आबादी रहती है। लगभग 37 फीसदी लोग दक्षिण एशियाई मूल के हैं और इनमें से ज्यादातर भारतीय मूल के हैं। पचास साल से ज्यादा वक्त से यहां सभी समुदाय के लोग सौहार्द से रहते आये हैं। इस घटना के बाद यहां के भारतीय और पाकिस्तानी मूल के व्यवसायी चिंतित हैं। लेस्टर दक्षिण के सांसद जोनाथन ऐशवर्थ ने कहा कि लेस्टर के ज्यादातर लोग एकजुट हैं और मिल-जुल कर रहते हैं। यहां जो छिटपुट घटनाएं हुई हैं, उनसे यहां के दो बड़े समुदाय प्रभावित हुए हैं, हम इससे हिल गये हैं। भारतीय उच्चायोग ने जारी बयान में कहा, 'हम लेस्टर में भारतीय समुदाय के खिलाफ हुई हिंसा और हिंदू धार्मिक परिसरों एवं प्रतीकों की तोड़फोड़ की कड़ी निंदा करते हैं,' लेकिन बात यहीं नहीं रुकी, महारानी की अंतिम यात्रा के दिन बर्मिंघम से सटे एक छोटे से शहर स्मिथविक में एक मंदिर के बाहर मुस्लिम समुदाय ने प्रदर्शन की योजना बनायी और उसे सोशल मीडिया पर प्रचारित कर दिया। शहर के हिंदुओं ने पुलिस को सूचना दी और प्रदर्शन का विरोध किया लेकिन सैकड़ों की तादाद में मुस्लिम युवक मंदिर के बाहर जमा हुए, मंदिर की दीवारों पर चढ़े, हाथापाई की। नारे लगाये। इन हरकतों के वीडियो वायरल हो गये। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कई लोगों को हिरासत में भी लिया है। तो क्या यह माना जाए कि जिन ब्रिटिश शहरों में अचानक दो समुदायों के बीच झड़प हुई, वह महज एक छोटी प्रतिक्रिया थी या अंदर ही अंदर कुछ और पक रहा है? लेस्टर में प्रवासियों में सबसे ज्यादा भारतीय मूल के हिंदुओं की आबादी है और स्मिथविक, जहां घटना घटी है, से सटे बर्मिंघम में सबसे ज्यादा मुसलमान प्रवासियों की तादाद है। अधिकारियों ने अपने बयानों में साफ कहा है कि दोनों शहरों में दूसरे शहरों से आये लोगों ने माहौल को भड़काने का काम किया है। निश्चित तौर पर इस तनाव की जड़ में एशिया के दो मुल्कों से आये वे प्रवासी हैं, जो पिछले कुछ समय से ब्रिटेन में अपने-अपने देशों से तनाव और आक्रामकता लेकर आ रहे हैं। साथ ही, कुछ और चीजों पर नजर रखने की जरूरत है। पूरी दुनिया में ऐसी घटनाओं के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल हो रहा है। जब इन घटनाओं की और तह में जाते हैं और यहां रह रहे भारतीय मूल के लोगों से बात करते हैं, तो कुछ चीजें साफ दिखती हैं। एक बात पर सभी जोर देते हैं, चाहे वे लंदन सदक के मेयर सुनील चोपड़ा हों या बकिंघमशर के काउंसिलर शरद झा कि पिछले एक दशक में भारत की हो रही प्रगति अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई देशों के लिए चुनौती बन रही है।

पिछले कुछ समय से अपने आंतरिक मामलों में भारत ने दूसरे देशों को हस्तक्षेप करने से साफ मना किया है, इससे भी दुनिया का एक धड़ा भारत से चिंतित दिखने लगा है। इसका परिणाम है कि ब्रिटेन जैसे देश में, जहां भारतीय सद्भाव और सुरक्षा से रहते आये हैं, वहां भी उनके खिलाफ मोर्चे खोले जा रहे हैं। साफ है कि ब्रिटेन में हो रहा हिंदू-मुसलमान का झगड़ा सिर्फ दो समुदायों के बीच की लड़ाई नहीं है, इसके पीछे अंतरराष्ट्रीय ताकतें हैं, जो भारत और पाकिस्तान के विवाद को बरकरार रखने की कोशिशों में हैं। भारत-पाकिस्तान दोनों को ब्रिटेन से आजाद हुए 75 साल हो चुके हैं। इन सालों में इन दोनों देशों की कई पीढ़ियां ब्रिटेन में गुजर चुकी हैं। इन दोनों मुल्कों से आये लोग यहां के व्यापार और राजनीति में अपना मुकाम बना चुके हैं, लेकिन ऐसी घटनाएं पिछले कुछ सालों से ही देखने में आ रही हैं, खास कर तब से जब से पीएम मोदी की छवि एक अंतरराष्ट्रीय मजबूत नेता के तौर पर उभरी है। जाहिर है कि भारत की प्रगति और नरेंद्र मोदी की मजबूती पाकिस्तान और दूसरे पड़ोसी मुल्कों के सियासतदानों को रास नहीं आ रहा है इसलिए इन घटनाओं को एक बड़े अंतरराष्ट्रीय स्तर की साजिश की कसौटी पर कसने और उसका आकलन करने की जरूरत है। निश्चित तौर पर यह महज दो समुदायों की झड़प तक का मामला नहीं है।

हाथी पर सवार होकर आ रहीं हैं मां दुर्गा

नवरात्र में कलश बैठाने का शुभ मुहूर्त, पूजन विधि और मंत्र

इस बार शारदीय नवरात्रि में मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आने वाली हैं। ऐसा कहते हैं कि जब मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आती हैं तो बहुत ज्यादा वर्षा होती है। चारों ओर हरियाली छाई रहती है। ऐसे में देवी की उपासना करने वालों के घर कभी अन्न की कमी नहीं रहती है। नवरात्रि की शुरुआत घटस्थापना के साथ ही होती है। इस बार घटस्थापना 26 सितंबर को प्रतिपदा तिथि पर सुबह करीब सवा छह बजे से लेकर 07 बजकर 55 मिनट तक होगी।

नवरात्रि का पारण

शारदीय नवरात्रि पर नवमी के दिन यानी 04 अक्टूबर 2022 को दोपहर 02 बजकर 20 के बाद नौ दिन तक चलने वाले नवरात्रि व्रत का पारण किया जा सकता है।

कब है अष्टमी?

शारदीय नवरात्रि में अष्टमी तिथि का विशेष महत्व बताया गया है। इस दिन महागौरी की पूजा होती है। कई जगहों पर लोग अष्टमी तिथि पर ही कन्या पूजन करते हैं। इस बार महाअष्टमी 3 अक्टूबर दिन सोमवार को पड़ रही है। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि रविवार, 2 अक्टूबर को शाम 06 बजकर 47 मिनट से लेकर अगले दिन सोमवार, 03 अक्टूबर को शाम 04 बजकर 37 मिनट तक रहेगी। उदया तिथि के कारण अष्टमी का व्रत 3 अक्टूबर को ही रखा जाएगा।

कब है नवमी?

अष्टमी तिथि पर कन्या पूजन ना करने वाले लोग नवमी को यह परंपरा निभाते हैं। इस दिन मां सिद्धिदात्री का पूजन होता है। इस बार अश्विन शुक्ल की नवमी तिथि सोमवार, 03 अक्टूबर को शाम 04 बजकर 37 से लेकर मंगलवार, 04 अक्टूबर को दोपहर 02 बजकर 20 मिनट तक रहेगी। उदिया तिथि के कारण नवमी का पूजन 04 अक्टूबर को ही किया जाएगा।

कन्या पूजन विधि

शास्त्रों के मुताबिक, नवरात्रि की अष्टमी या नवमी तिथि पर कन्याओं को उनके घर जाकर निमंत्रण दें। गृह प्रवेश पर कन्याओं का पूरे परिवार के साथ पुष्प वर्षा से स्वागत करें और नव दुर्गा के सभी नामों के जयकारे लगाएं। अब इन कन्याओं को आरामदायक और स्वच्छ जगह बिठाएं। सभी के पैरों को दूध से भरे थाल में रखकर अपने हाथों से उनके पैर स्वच्छ पानी से धोएं। कन्याओं के माथे पर अक्षत, फूल या कुमकुम लगाएं फिर मां भगवती का ध्यान करके इन देवी रूपी कन्याओं को इच्छा अनुसार भोजन कराएं। भोजन के बाद कन्याओं को अपने सामर्थ?य के अनुसार दक्षिणा, उपहार दें और उनके पैर छूकर आशीष लें।

नवरात्रि से जुड़ी जरूरी बातें

नवरात्रि के पहले दिन कलश स्थापना के बाद मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप शैलपुत्री की पूजा की जाती है। इस दिन अधिकतर लोग नवरात्रि का पहला व्रत रखते हैं। जो लोग 9 दिनों तक नवरात्रि का व्रत नहीं रख पाते हैं, वे पहले दिन और दुर्गा अष्टमी के दिन व्रत रखते हैं। इसे नवरात्रि का च?ती-उतरती व्रत कहा जाता है।

नवरात्रि कलश स्थापना मुहूर्त

आश्विन शुक्ल प्रतिपदा तिथि का आरंभ 26 अगस्त सुबह 3 बजकर 23 मिनट पर प्रतिपदा तिथि शुरू
सुबह 7 बजकर 30 मिनट से 9 बजे तक राहुकाल होगा।
सुबह 6 बजकर 11 मिनट से 7 बजकर 41 मिनट तक अमृत चौघडिया।
सुबह 9 बजकर 12 मिनट से 10 बजकर 42 तक शुभ चौघड़िया।
ऐसे में सुबह 6 बजकर 11 मिनट से 7 बजकर 30 मिनट के बीच फिर 9 बजकर 12 मिनट से 10 बजकर 42 मिनट के बीच नवरात्रि कलश स्थापना कर लेना बहुत ही शुभ रहेगा। अगर इस विशेष शुभ मुहूर्त में कलश नहीं बैठा पाते हैं तो अभिजीत मुहूर्त में 11 बजकर 48 मिनट से 12 बजकर 36 मिनट के बीच कलश बैठा सकते हैं।

हंसना मना है

टीचर: जीवन में असली सुख का क्या मतलब है। पप्पू: पूरी जिंदगी आप डॉक्टर को न ढूंढें और पुलिस आपको न ढूंढे।

आजकल के बच्चों से मोबाइल छीनने का मतलब आईसीयू के मरीज के मुंह से ऑक्सीजन मास्क उतारने के बराबर है।

शुक्र है कि डॉक्टर लोग ऐसा नहीं कहते कि खुल्ले नहीं हैं। कहो तो एक इंजेक्शन और लगा दूं!

पढ़े-लिखे लोगों की आधी जिंदगी डिग्रियां हासिल करने और बाकी आधी जिंदगी फोटोकॉपी कराने में गुजर जाती है।

अपने बच्चों को इंग्लिश मीडियम में पढ़ाने के साथ-साथ रामायण और महाभारत का भी ज्ञान दीजिए वरना संजीवनी बूटी कौन लाया था के जवाब में आयरन मैन का नाम लिखकर आएंगे।

तम्बाकू हानिकारक है। हो सकता है आपके जीवन में लड़की वाली रेखा तम्बाकू रगड़ने के कारण मिट जाए और आप कुंवारे रह जाओ। समय है अभी सोच लो।

कहानी — चंडूल और किसान

एक गांव में नदी के किनारे एक खेत था उस खेत में मक्के की फसल की बोवाई की गई थी। उसी मक्के के खेत में चंडूल चिड़िया ने अपना घोंसला बना रखा था। वह अपने बच्चों के साथ उस घोंसले में रहती थी। मक्के की फसल तैयार होने और कटने तक उनका घोंसला सुरक्षित था। इस बार भी ऐसा हुआ जब मक्के की फसल पककर तैयार थी। एक दिन चंडूल ने अपने बच्चों से कहा, अब फसल तैयार हो गयी है और कटनेवाली है। इसलिए हमें कहीं और घोंसला बना लेना चाहिए। फिर क्या था दूसरे दिन किसान खेत में आया और देखा की फसल अब काटने के लायक हो गई है। तो उसने किसी से बातचीत करते हुए कहा, कल मैं अपने रिश्तेदारों को बुलाकर फसल की कटाई करूंगा। किसान की यह बात चंडूल और उसके बच्चों ने सुनी तो बच्चों ने कहा, मां जल्दी कर कल सूर्य अस्त होने से पहले हमें यह घोंसला छोड़ देना चाहिए किसान कल फसल की कटाई करने वाला है। मां ने कहा, घबराने की बात नहीं कल वह फसल की कटाई शुरू ही नहीं कर सकता। अगले दिन किसान खेत पर आया। उसका कोई भी रिश्तेदार उसकी मदद करने नहीं पहुंचा था इसलिए वह खाली हाथ वापस चला गया। उसने जाते-जाते कहा कल मैं अपने पड़ोसियों को बुलाकर लाऊंगा और फसल की कटाई जरूर करूंगा। चंडूल के बच्चों ने फिर अपनी मां से कहा, मां जल्दी कर अब हमें घोंसला छोड़ देना चाहिए पर मां ने जवाब दिया, रुको! अभी घोंसला छोड़ने की जरूरत नहीं है। अगले दिन ठीक वही हुआ, जैसा चंडूल ने सोचा था। किसान का कोई भी पड़ोसी उसकी मदद करने नहीं पहुंचा। मगर इस बार किसान ने कहा, अब दूसरों के भरोसे बैठे रहने से काम नहीं चलेगा। कल मैं खुद फसल की कटाई करूंगा। यह सुनकर चंडूल ने अपने बच्चों से कहा, अब हमें तुरंत इस घोंसले को छोड़ देना चाहिए क्योंकि कल किसान जरूर फसल की कटाई करेगा।

शिक्षा :-अपना काम अपने ही भरोसे होता है।

6 अंतर खोजें

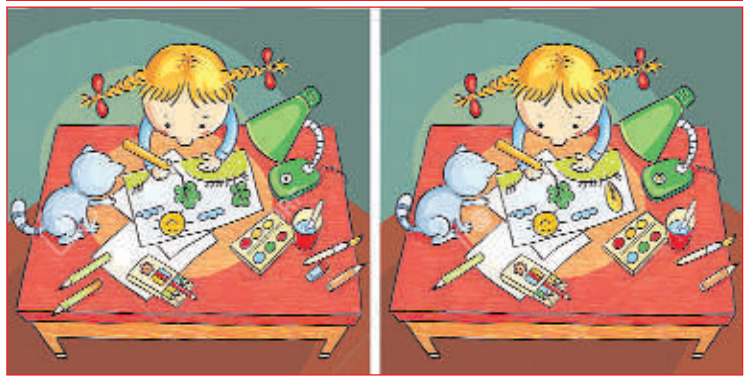

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

किसी भी कार्य में जल्दबाजी व लापरवाही न करें। शारीरिक कष्ट की आशंका है। भावना में बहकर कोई निर्णय न लें। कुसंगति से हानि होगी। तनाव रहेगा।

वृषभ

राजकीय सहयोग समय पर प्राप्त होगा। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा। भाइयों का साथ रहेगा। सभी कार्य पूर्ण सफल होंगे।

मिथुन

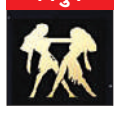

कारोबार में वृद्धि के योग हैं। संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। प्रमाद न कर समय का लाभ लें। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें।

कर्क

बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। उत्साह से कार्य कर पाएंगे।

सिंह

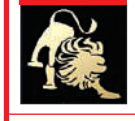

किसी के उकसाने में न आएं। धनहानि की आशंका है। भावना में न बहकर विवेक का प्रयोग करें। लाभ होगा। कोई शोक समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें।

कन्या

मेहनत का फल प्राप्त होगा। असहाय लोगों की मदद करने की इच्छा रहेगी। ईर्ष्यालु व्यक्तियों से सावधान रहें। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। जीवन सुखमय होगा।

तुला

दूर से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा।

वृश्चिक

काफी समय से कोई बड़ा रुका हुआ कार्य पूर्ण हो सकता है। सफलता प्राप्त होगी। प्रसन्नता का माहौल रहेगा। आय में वृद्धि नए कार्य के साथ हो सकती है।

धनु

कोई बड़ा खर्च सामने आ सकता है। आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है। कुसंगति से हानि होगी। विवेक का प्रयोग करें। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मकर

आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। यात्रा लंबी हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद दूर होंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता रहेगी।

कुम्भ

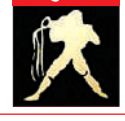

योजना फलीभूत होगी। आय में वृद्धि होगी। कार्यकारी नए अनुबंध हो सकते हैं। प्रभावशाली व्यक्ति का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मीन

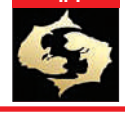

तंत्र-मंत्र में रुचि जागृत हो सकती है। किसी विद्वान व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। धन प्राप्ति के प्रयास भरपूर करें।

बॉलीवुड | मन की बात

आमिर खान की बेटी इरा खान की हुई सगाई

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान की बेटी इरा खान ने अपने बॉयफ्रेंड नुपुर शिखरे से सगाई कर ली है। उन्होंने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ प्रपोजल का वीडियो भी शेयर किया है। इस वीडियो की खास बात ये है कि नुपुर ने इरा को फेमस आयरन मैन इटली शो के दौरान प्रपोज किया है। वीडियो में आप देख सकते हैं फिटनेस ट्रेनर नुपुर शिखरे रेस कॉस्ट्यूम में इरा के पास जाते हैं। फिर वो इरा को किस करते हैं। उसके बाद घुटनों पर बैठकर बॉक्स से रिंग निकालते हैं और इरा को प्रपोज करते हुए कहते हैं, क्या तुम मुझसे शादी करोगी?। नुपुर का ये प्रपोजल इरा तुरंत एक्सेप्ट कर लेती है। फिर नुपुर उन्हें रिंग पहनाते हैं। इरा ने इस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा पोपाई- उसने हां कह दिया। इरा- मैंने हां कहा। आपको बता दें इरा प्यार से नुपुर को पोपाई बुलाती हैं। इस वीडियो को देखने के बाद फैंस से लेकर सेलेब्स तक कपल को बधाई दे रहा है। जहां एक्ट्रेस फातिमा सना शेख ने वीडियो पर रिएक्ट करते हुए लिखा ये सबसे प्यारी चीज है, जिसे मैंने देखा है। उफ्फ नुपुर इतना फिल्मी उफ्फ। वहीं रिया चक्रवर्ती ने लिखा आप लोगों को बधाई हो। इरा और नुपुर एक दूसरे को दो साल से ज्यादा समय से डेट कर रहे हैं। उन्होंने पिछले साल सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया था। वे अक्सर सोशल मीडिया पर एक दूसरे की फोटोज और वीडियोज शेयर करते रहते हैं।

अपने लुक के चलते टोलर्स के निशाने पर जान्हवी कपूर

बॉलीवुड | मसाला

जान्हवी कपूर आए दिन अपने लुक्स के चलते सुर्खियों में बनी रहती हैं। अभिनेत्री को अक्सर जिम के बाहर या किसी इवेंट में स्पॉट किया जाता है। जान्हवी के किसी लुक को फैंस पसंद करते हैं, तो कभी वह अपने लुक के चलते ट्रोल्स के निशाने पर आ जाती हैं। हाल ही में जान्हवी को एयरपोर्ट के बाहर स्पॉट किया गया था, जहां उन्हें ट्रोल्स ने आड़े हाथ ले लिया। दरअसल, सोशल मीडिया पर जान्हवी कपूर का एयरपोर्ट से बाहर आते हुए वीडियो वायरल हो रहा है। इस दौरान जान्हवी कपूर ब्लू कलर की डेनिम और फुल स्लीव व्हाइट शर्ट में नजर आ रही हैं। इस कूल अटायर को जान्हवी कपूर ने बालों में हाफ बन बनाकर कंप्लीट किया है। वहीं, जान्हवी की शर्ट के कुछ बटन खुले हुए हैं, जिस वजह से वह ट्रोल्स के निशाने पर आ गई हैं। अपने इस लुक के लिए जान्हवी को सोशल मीडिया पर खरी-खोटी सुनाई जा रही है। जान्हवी कपूर के इस वीडियो पर यूजर तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा बटन लगाना भूल गई लगता है, तो दूसरे ने लिखा, एयरपोर्ट, जिम और पार्टी फिल्म तो है ही नहीं। वहीं, एक अन्य ने कहा, सेम पिंच, यह मैं हूं जब मेरी शर्ट टाइट हो जाती है। इसके अलावा कुछ लोग जान्हवी की तारीफ भी कर रहे हैं। कोई उनके लुक की तारीफ कर रहा है, तो कोई उनकी अगली फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही के बारे में बात कर रहा है। बता दें कि जान्हवी कपूर हाल ही में गुड लक जैरी फिल्म में नजर आई थीं। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई थी, जिसमें जान्हवी के अभिनय को सराहा गया था। वहीं, अब वह मिस्टर एंड मिसेज माही में नजर आने वाली हैं।

साड़ी में मोनालिसा ने लगाया बोल्डनेस का तड़का

भोजपुरी क्वीन के नाम से मशहूर अभिनेत्री मोनालिसा अपने काम के साथ ही अलग-अलग लुक को लेकर भी सुर्खियों में बनी रहती हैं। वह सोशल मीडिया के जरिए लगातार फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं और अक्सर हॉट अवतार में अपनी तस्वीरें साझा करती रहती हैं। मोनालिसा साड़ी में भी बोल्डनेस का तड़का लगाती नजर आती हैं। वह अपने लुक से अक्सर फैंस का दिल धड़का देती हैं। आज मोनालिसा ने इंस्टाग्राम पर साड़ी में तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें वह बला की खूबसूरत लग रही हैं। फैंस को भी उनकी ये लेटेस्ट तस्वीरें काफी पसंद आ रही हैं और वे कमेंट बॉक्स में एक के बाद एक अपनी प्रतिक्रिया देते नजर आ रहे हैं। मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम से कई तस्वीरें साझा की हैं। साथ ही डीप नेक ब्लाउज के साथ एक्ट्रेस ने लुक में बोल्डनेस का तड़का लगाया है। खुले हुए हल्के कर्ल बालों के साथ डार्क लिपस्टिक शेड और कानों में झुमके पहने मोनालिसा बेहद खूबसूरत लग रही हैं। हर तस्वीर में उनका अंदाज फैंस का दिल लूट रहा है। मोनालिसा अपने इंस्टाग्राम हैंडल से ये नई तस्वीरें साझा करते हुए कैप्शन में लिखा मैं खूबसूरत महसूस करती हूं, मजबूत महसूस करती हूं और कॉन्फिडेंट....मैं कौन हूं? मोनालिसा ने साड़ी में तस्वीरें साझा कर फैंस का दिल चुरा लिया है और प्रशंसक उनकी तारीफों के पुल बांधते नजर आ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- हमेशा गॉर्जियस लगती हो। वहीं दूसरे ने लिखा- सुंदरता अपने सबसे अच्छे रूप में। एक अन्य ने मजेदार तरीके से तारीफ करते हुए लिखा- डम डम डिगा डिगा ओहो मोनालिसा। अन्य प्रशंसक भी इसी तरह से प्यार बरसाते नजर आ रहे हैं।

अजब-गजब | आज भी मौजूद हैं दर्शकों के बैठने के लिए सीटें

इस रेगिस्तान में मौजूद था अनोखा सिनेमा हॉल

प्राचीन काल में इंसान ने दुनियाभर में तमाम ऐसी इमारतें बनवाई जो आज भी किसी रहस्य से कम नहीं है। जिनकी वास्तुकला आज भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती है। आज हम आपको एक ऐसे स्थान के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके बारे में जानकर यकीनन आप हैरान रह जाएंगे। क्योंकि इस तरह का विचार किसी ओर को अब तक आया होगा ये कहना संभव नहीं है। दरअसल, आज हम आपके एक ऐसे मूवी थिएटर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे रेगिस्तान के बीचों बीच बनाया गया था। हालांकि इस मूवी थिएटर में आज तक कोई फिल्म नहीं दिखाई गई और इसे ऐसे ही खंडहर कर छोड़ दिया गया, लेकिन इस मूवी थिएटर में दर्शकों के बैठने के लिए लगाई गई कुर्सियां आज भी मौजूद है।

ये मूवी थिएटर मिस्र में है। बता दें कि ये मूवी थिएटर मिस्र के सिनाई प्रायद्वीप के दक्षिणी सिरे पर एक रेगिस्तानी में पर्वत श्रृंखला की तलहटी में बनाया गया था। ये दृश्य कुछ अजीब सा लग सकता है। क्योंकि रेगिस्तान के बीचों बीच आपको सैकड़ों कुर्सियां लगी हुई दिखाई देंगी। जो एक आउटडोर मूवी थियेटर के लिए लगाई गई थीं। एस्टोनियाई फोटोग्राफर कौपो

किक्कास ने कुछ महीने पहले ही इस खाली स्थान का दौरा किया था। जहां उन्होंने खंडहर पड़े इस थिएटर की कुछ तस्वीरें अपने कैमरे में कैद कर लीं। अपनी इस यात्रा के बारे में उन्होंने अपने ब्लॉग के माध्यम से बताया।

बताया जाता है कि इस थिएटर को फ्रांस के एक व्यक्ति ने इस सहस्राब्दी की शुरुआत में बनाया था। इस शख्स को भांग पीना बहुत पसंद था। ऐसा संभव है कि उसके पास बहुत पैसे थे जिन्हें वह बर्बाद करना चाहता था। एक दिन वह अपने दोस्तों के साथ सिनाई रेगिस्तान में घूम रहा था। वह अपने साथ एक सिनेमाघर का पूरा सामान लेकर आया था। उसने काहिरा से कई पुरानी सीटें और एक जनरेटर मंगाया और साथ में एक विशाल स्क्रीन भी।

जो एक एक जहाज की पाल की तरह दिखती थी। रात के वक्त इस सिनेमाघर को शुरु करने की तैयारी थी लेकिन ऐसा हो न सका। क्योंकि स्थानीय लोगों को उसका सिनेमाघर का आइडिया पसंद नहीं आया और उन्होंने जनरेटर में तोड़फोड़ कर दी। उसके बाद ये खंडहर हो गया जो आज भी मौजूद है। इस तरह से इस सिनेमाघर में कभी एक भी फिल्म नहीं दिखाई गई।

बहनों से था इतना प्यार कि उनके बीच बांट दिया अपना पति, अब खुशी खुशी रहती है एक ही घर में

यह कहावत और ये जुमला अक्सर आपने सुना होगा की एक औरत सब कुछ बांट सकती है लेकिन पति और उसका प्यार कभी भी और किसी के साथ हम नहीं बांट सकती। लेकिन एक महिला ने इस भावना को ही बदलकर रख दिया उसने न सिर्फ अपने पति का प्यार बांटा बल्कि खुशी खुशी अपनी ही बहनों को अपनी सौतन बना लिया। और सभी एक दूसरे के शुक्रगुजार भी रहती है। बचपन से जिन बहनों के साथ सब कुछ बराबर बांटा। बड़े होने पर उन बहनों के साथ अपने पति का प्यार भी बांट दिया। जी हाँ एक महिला ने अपने ही दो बहनों को अपनी सौतन बना लिया और अब खुशी खुशी एक ही घर में रहती है न लड़ाई न झगड़ा। बस एक दूसरे से प्यार पति से कोई शिकायत भी नहीं। यूट्यूब पर Afrima& English को दिए एक इंटरव्यू में महिला के इस खुलासे ने लोगों को दंग कर दिया। पति अगर किसी महिला को आंख भर देख भी लें तो पत्नियां उसकी खबर लेने में देर नहीं लगातीं। लेकिन क्रिस्टीना एक ऐसी महिला हैं जिन्होंने न सिर्फ अपने पति ओमबेनी का प्यार बांटा बल्कि अपनी ही बहनों को अपने सौतन बना डाला। ताज्जुब की बात तो यह है कि क्रिस्टीना को अपने इस कदम पर नाज है उन्हें खुशी है कि उनका पति उनकी दोनों बहनों एलिन और टूमा का बेहद ख्याल रखता है। और उन्हें प्यार करता है। तीनों बहनें एक ही शख्स की पत्नी बनकर एक साथ एक घर में खुशी खुशी रहती हैं। वहीं ओमबेनी अपनी तीनों पत्नियों और 10 बच्चों के परिवार के साथ कच्चे मकान में रहते हैं। ना लड़ाई ना झगड़ा बेहद सामंजस्य के साथ परिवार चलता है। इन सभी की जिम्मेदारी ओमबेनी अकेले ही संभालते हैं। हैरानी इस बात की है की बेहद गरीबी में गुजर बसर कर रहे इतनी बड़े परिवार का भरण पोषण मुश्किलों से करने के बावजूद सभी संतुष्ट रहते हैं। किसी को किसी से कोई भी शिकायत नहीं रहती। क्रिस्टीना के सामने जब यह बात आयी कि उन्हें अपने पति की दूसरी शादी बहन से करानी हैं तो उन्होंने कोई आपत्ति नहीं की बल्कि अपनी दूसरी बहन की शादी भी अपने ही पति से करवाने के लिए खुशी खुशी राजी हो गई थी। यानी बचपन में माता पिता का प्यार और बड़े होने पर पति की प्यार आपस में बराबर बांटकर खुश हैं बहनें।

पंजाब में बढ़ी आप और राजभवन में तकरार

राज्यपाल ने मांगा सत्र के विधायी कार्य का विवरण, मान बोले, अब तो हद हो गई

» आप सरकार ने 27 सितंबर को बुलाया है एक दिवसीय सत्र

» विधान सभा के विशेष सत्र को रद्द करने के बाद विवाद बढ़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित और आप सरकार में तकरार बढ़ती जा रही है। राज्यपाल ने मान सरकार की ओर से 27 सितंबर को बुलाए गए एक दिवसीय सत्र के विधायी कार्य का विवरण मांगा है। इस पर सीएम भगवंत मान ने कहा कि अब तो हद हो गई है। 75 सालों में आज तक किसी राज्यपाल ने इस तरह की जानकारी नहीं मांगी।

विधान सभा का विशेष सत्र रद्द किए जाने के बाद मुख्यमंत्री मान ने 27 सितंबर को विधान सभा सत्र बुलाए जाने की सिफारिश की थी। इस पर शुक्रवार को राज्यपाल के कार्यालय से विधान सभा सचिव को पत्र भेजकर विधायी कामकाज का ब्योरा देने को कहा गया है। इससे खफा मुख्यमंत्री भगवंत मान ने ट्वीट कर कहा, विधानमंडल के किसी भी सत्र से पहले राज्यपाल की सहमति एक औपचारिकता होती है। विधायी कार्य बीएसी और स्पीकर द्वारा तय किया जाता है। आगे से राज्यपाल सभी भाषणों को उनके द्वारा अनुमोदित करने को कहेंगे। यह तो हद है। हालांकि मुख्यमंत्री ने कैबिनेट की बैठक में स्पष्ट किया था कि सत्र के दौरान राज्य सरकार बिजली, पराली समेत सूबे से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सदन में चर्चा करेगी। गौरतलब है कि आप सरकार ने भाजपा पर ऑपरेशन लोटस का आरोप लगाते हुए पार्टी के 10 विधायकों को 25-25 करोड़ का ऑफर देकर उन्हें तोड़ने का आरोप लगाया था। इस संबंध में आप ने डीजीपी की समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी। उसके बाद पंजाब पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला भी दर्ज किया था लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। उसके बाद विश्वास मत हासिल करने के लिए मान सरकार ने विधान सभा का विशेष सत्र बुलाने की अनुमति मांगी। राज्यपाल ने इसकी मंजूरी दी लेकिन अगले ही दिन उन्होंने अपना आदेश वापस ले लिया।

पीएफआई जैसे संगठन रच रहे सांप्रदायिक साजिश : नकवी

» धर्म की आड़ में आतंकवाद फैलाने वाले मानवता के दुश्मन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि सीबीआई और ईडी अब पिंजरे में बंद तोता मैना नहीं बल्कि कानून का गहना हैं। पीएफआई जैसे कुछ संगठन देश के सौहार्द के ताने-बाने को ध्वस्त करने की सांप्रदायिक साजिश कर रहे हैं। हम सबको मिलकर ऐसे किसी भी षड्यंत्र को नाकाम करना है। धर्म को सुरक्षा कवच बनाकर आतंकवाद का कर्म करने वाले मुल्क, मजहब व मानवता के दुश्मन हैं।

रामपुर में नकवी ने कहा कि जो लोग एजेंसियों, कोर्ट, सरकार और सिस्टम पर सवाल उठा रहे हैं, वो खुद सवालों से घिरे हुए हैं। करप्शन के क्रांतिकारियों, बेईमानी के बाहुबलियों का बुरा वक्त चल रहा है इसलिए बौखलाहट में बेबुनियाद बयानबहादुर बन बैठे हैं। मदरसों और वक्फ के सर्वे पर सवाल करने वाले सियासी साजिश के सूत्रधार हैं। भय और भ्रम का माहौल बना कर लोगों का भावनात्मक शोषण करना इनकी फितरत है। उन्होंने कहा कि किसी को डरने व डराने की जरूरत नहीं है। सभी के संवैधानिक अधिकार पूरी तरह से सुरक्षित हैं। उन पर कोई हमला नहीं हो सकता। उन्होंने टीएमयू अस्पताल मुरादाबाद में भर्ती जिला पंचायत अध्यक्ष ख्यालीराम लोधी से मिलकर उनका हालचाल जाना और जल्द स्वस्थ होने की कामना की। इसके पहले उन्होंने कार्यकर्ताओं की मीटिंग ली।

संभव पोर्टल से होगी विद्युत शिकायतों की सुनवाई

» दिन और समय तय अधिकारी रहेंगे मौजूद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा महेश कुमार गुप्ता ने बताया कि 12 से 19 सितम्बर तक विद्युत उपभोक्ताओं की समस्याओं का त्वरित निस्तारण के लिए समाधान दिवस का आयोजन किया गया था। आयोजन की सफलता के बाद यह निर्णय लिया गया है कि विद्युत संबंधी किसी भी प्रकार की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए अब आगे सम्भव पोर्टल की व्यवस्था के तहत सुनवाई की जायेगी।

उन्होंने बताया कि इस पोर्टल पर जो भी शिकायतें प्राप्त होंगी उसका समयबद्ध निराकरण करने का दायित्व स्थानीय अधिशासी अभियन्ता एवं डिस्काम के प्रबन्ध निदेशक का होगा। निराकरण के लिए प्रत्येक सोमवार को सुबह 10 से 12 बजे तक 33/11केवी उपकेन्द्र पर सहायक अभियन्ता एवं अवर अभियन्ता उपस्थित रहेंगे जबकि प्रत्येक सोमवार को अपरान्ह एक से तीन बजे तक संबंधित अधिशासी अभियन्ता के कार्यालय में अधिशासी अभियन्ता उपस्थित रहेंगे। वहीं चार बजे से शाम 6 बजे तक अधीक्षण अभियन्ता स्तर पर समस्याओं को सुना जाएगा। वहीं प्रत्येक मंगलवार को प्रात: 10 बजे से 12 बजे के मध्य डिस्काम के प्रबन्ध निदेशक द्वारा उपभोक्ताओं की शिकायतों का निराकरण किया जायेगा। वहीं प्रत्येक माह के तीसरे बुधवार को ऊर्जा मंत्री ऑनलाइन जन समस्याओं को सुनेंगे।

विश्व परिवार की बात करने वाला भारत अकेला : भागवत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि पूरी दुनिया विश्व बाजार की बात करती है लेकिन विश्व परिवार की बात करने वाला भारत अकेला देश है। यही नहीं हम समूचे विश्व को एक कुटुंब बनाने के लिए निरंतर काम भी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, प्राचीन काल से ही भारत विविधता का देश रहा है। हमारी भूमि ऐसी है जो सबको देती है। यह भूमि अन्न और जल के साथ साथ संस्कार भी देती है इसीलिए इसे हम सब भारत माता कहते हैं। हम इस भूमि के मालिक नहीं है, हम इसके पुत्र हैं। ये हमारी पुण्यभूमि है, कर्मभूमि है। हमारी एकता का सूत्र है संस्कृति और हम इसका प्रत्यक्ष आचरण करते हैं।

हम गांधी परिवार के खिलाफ नहीं चुनाव से बने नया अध्यक्ष : चव्हाण

» राहुल चुनाव लड़ेंगे तो करेंगे स्वागत, इलेक्शन प्रक्रिया हो मजबूत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण का कहना है कि कांग्रेस का नया प्रमुख पार्ट टाइम नहीं होना चाहिए और उन्हें सभी से मुलाकात करना चाहिए। हम कभी भी एक परिवार के खिलाफ नहीं थे, यह बकवास है। हम केवल यही चाहते हैं कि जो भी प्रमुख बने, वह चुनाव के जरिए बने और लोगों से मिलने के लिए उपलब्ध रहे।

कांग्रेस की प्रदेश समितियों के प्रस्तावों को लेकर उन्होंने कहा, ऐसा क्यों करना? इसके बजाए चुनाव प्रक्रिया को मजबूत किया जाना चाहिए। दरअसल, एक दर्जन से ज्यादा राज्यों में प्रस्ताव पारित किए थे, जिसमें राहुल को अध्यक्ष बनाने और अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी को प्रदेश अध्यक्ष और यूनिट्स गठित करने के लिए अधिकृत करने की बात की गई थी। अटकलें लगाई जा रही थी कि राहुल को मनाने की कोशिशें जारी हैं लेकिन वह चुनाव नहीं लड़ना चाहते। चव्हाण ने कहा, अगर राहुल गांधी आज भी चुनाव लड़ना चाहते हैं, वह फार्म भरते हैं तो हम उनका स्वागत करेंगे। खुद राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी वायनाड सांसद को मनाने की बात कह रहे थे। उन्होंने इस बात की पुष्टि की थी कि गांधी परिवार से कोई चुनाव नहीं लड़ेगा। इस पर पूर्व सीएम ने कहा कि वह इस बात पर अडिग थे। मुझे नहीं पता कि लोगों को ऐसा क्यों लग रहा था कि वह दिखावा कर रहे हैं। चव्हाण ने पार्टी में चुनाव की प्रक्रिया को मजबूत करने की बात की। साथ ही राज्यों की तरफ से राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाने के लिए जारी प्रस्तावों पर भी सवाल उठाए। खास बात है कि चव्हाण भी जी-23 समूह में शामिल रहे हैं, जो पार्टी में लगातार सुधार की मांग कर रहा था। खास बात है कि कांग्रेस में 22 सालों के बाद अध्यक्ष पद पर चुनाव हो रहे हैं। अगर गहलोत जीत जाते हैं तो पार्टी को दो दशक से ज्यादा समय के बाद गैर-गांधी चीफ मिलेगा।

चुनौती राहुल गांधी के नहीं, भाजपा के सामने

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राहुल गांधी ने कांग्रेस का अध्यक्ष बनने से मना कर दिया है इससे जितनी बैचेनी कांग्रेस में है उससे ज्यादा भाजपा में है। राहुल के इस फैसले से भाजपा खुश है या दुखी? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार अजय शुक्ला, सुशील दुबे, शीतल पी सिंह, अनिल सिन्हा, अनुपम मिश्रा और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

अनिल सिन्हा ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा का रिएक्शन आ रहा है। चुनौती अब राहुल गांधी के सामने नहीं बल्कि भाजपा के सामने है। आडवाणी की यात्रा भी लोगों की याद होगी। राहुल ने भारत जोड़ो यात्रा के जरिए राजनीति को उलट-पुलट दिया है। राहुल अध्यक्ष बनने वाले नहीं है। गहलोत अध्यक्ष बन सकते हैं। अनुपम मिश्रा ने कहा कि राहुल गांधी से उम्मीद की जाती हैं तो ही उनको जिम्मेदार ठहराया जाता है। अशोक गहलोत ने भाजपा को कई मौके पर मात दी तो कांग्रेस अध्यक्ष बनाने के लिए गहलोत अच्छा निर्णय होगा। सुशील दुबे ने कहा कि लखनऊ उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी में बीते 25 सालों से जो लोग बैठे रहे, आठ लोगों की टीम है। उनका नाम नहीं पीसीसी सूची में। अध्यक्ष के लिए सूची तक नहीं बनी। चुनाव तो दूर की बात है अगर इस देश में फूलनदेवी जीत सकती है। एक बार विधायक बनने के बाद आठ-आठ विभाग मिल सकते हैं मंत्री को तो राहुल गांधी अगर देश के पीएम बन जाते तो कोई बड़ी बात नहीं।

अजय शुक्ला ने कहा कि मणिशंकर अय्यर का एक बयान है कि छोटा आदमी बड़ी बातें सोच ही नहीं सकता। बड़ी बातें सोचने के लिए बड़ा बनना पड़ता है तो ये बात तो सही है। वही स्थिति है कि ये उन पर आरोप लगाते हैं जबकि कांग्रेस पार्टी से ज्यादा लोकतंत्र किसी दूसरी पार्टी में नहीं रहा। कांग्रेस ने गरीब से गरीब को प्रधानमंत्री ही नहीं बनाया, तवज्जो भी दी।

शीतल पी सिंह ने भी परिचर्चा में अपने विचार रखे।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

उत्तराखंड की अंकिता को भाजपा के पूर्व मंत्री के बेटे ने मार डाला, शव सात दिन बाद मिला

गुस्साए लोगों ने रिसॉर्ट में लगाई आग, आधी रात चला बुलडोजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल में अंकिता भंडारी मर्डर केस में आरोपी भाजपा नेता के बेटे का रिसॉर्ट ढहा दिया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर कल रात को आरोपी पुलकित आर्य के रिसॉर्ट पर बुलडोजर चलाया गया। 19 साल की अंकिता उसके रिसॉर्ट में रिशेप्सनिस्ट थी और वहां अनैतिक गतिविधियों का खुलासा करने की धमकी देने पर आरोपियों ने उसकी हत्या कर दी थी।

खबर है कि नाराज लोगों ने रिसॉर्ट के पास बनी पुलकित की फैक्ट्री में आग लगा दी है। इस मामले में पुलकित के दो साथी अंकित उर्फ पुलकित गुप्ता और सौरभ भास्कर भी अरेस्ट हुए हैं। पुलकित आर्य हाई प्रोफाइल सियासी परिवार से ताल्लुक रखता है। उसके पिता विनोद आर्य भाजपा नेता हैं और उत्तराखंड सरकार में मंत्री रह चुके हैं। वे भाजपा ओबीसी मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य और यूपी के सह प्रभारी भी हैं। उसके भाई अंकित आर्य उत्तराखंड ओबीसी कल्याण आयोग के उपाध्यक्ष हैं और उन्हें राज्य मंत्री का दर्जा मिला हुआ है। यही वजह रही कि पूरे मामले में सीएम धामी को दखल देना पड़ा। सूत्रों की मानें, तो अंकिता ने पुलकित रिसॉर्ट में अनैतिक गतिविधियां चलने का विरोध किया था। मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी कहा जा रहा है कि तीनों अंकिता पर अनैतिक गतिविधियों में शामिल होने का दबाव डाल रहे थे। इस पर अंकिता ने धमकी दी कि वह सभी को बता देगी कि पुलकित उस पर रिसॉर्ट के कस्टमर्स के साथ शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाता है। इस बात से गुस्साए पुलकित और उसके साथियों ने लड़की को नहर में धकेल दिया।

रिसॉर्ट के नजदीक बने बैराज की नहर में मिला अंकिता का शव

अंकिता 18-19 सितंबर से गायब थी। इसके बाद उसके पिता ने रिसॉर्ट पहुंचकर कर्मचारियों से पूछताछ की थी। बेटी का पता नहीं चलने पर उन्होंने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। सोशल मीडिया पर भी उसकी तलाश के लिए कैंपेन चल रहा था। पुलिस ने शक के आधार पर पुलकित से पूछताछ की। आरोपी ने अंकिता को गंगा में धकेल देने की बात कबूल की। इसके बाद रेस्क्यू एजेंसियों ने अंकिता का शव चिल्ला पावर हाउस के पास एक नहर से बरामद किया।

सही समय पर गुजरात के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की करेंगे घोषणा: सिसोदिया

» आम आदमी पार्टी की निगाह अब गुजरात की सत्ता पर टिकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेहसाणा (गुजरात)। दिल्ली मॉडल के दम पर पंजाब में पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने वाली आम आदमी पार्टी की निगाह अब गुजरात की सत्ता पर टिकी हुई हैं। गुजरात में भी आम आदमी पार्टी दिल्ली मॉडल के दम पर बीजेपी के शासन को चुनौती दे रही है। पार्टी नेता और दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा है कि आप उचित समय पर अपने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के नाम की घोषणा करेगी।

मनीष सिसोदिया उत्तरी गुजरात में पार्टी के लिए प्रचार कर रहे हैं। कल रात उंझा कस्बे में एक जनसभा को संबोधित करने के बाद सिसोदिया ने मीडियाकर्मियों से कहा कि पार्टी उचित समय पर सीएम उम्मीदवार की घोषणा करेगी। गुजरात के उंझा में जनसभा को संबोधित करने के पहले मनीष सिसोदिया ने कुलदेवी उमिया माता के दर्शन किए, उन्होंने ट्वीट किया उंझा में 1800 वर्ष पुराने, विश्वविख्यात उमिया माताजी मंदिर में कुलदेवी उमिया माता के दर्शन करने का सौभाग्य मिला। उमिया देवी मां की कृपा सदैव गुजरात के लोगो पर बनी रहे। इस बार माता के आशीर्वाद से हर व्यक्ति तक शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार व सम्मान पहुंचाने का हमारा संकल्प जरूर सफल होगा। कर्नल अजय कोठियाल के बीजेपी में शामिल होने के बाद पार्टी अपने सीएम उम्मीदवार के नाम की घोषणा करने की जल्दी में नहीं है। सिसोदिया ने कहा कि हमें गुजरात के लोगों की सेवा करने के लिए नेता होने की जरूरत नहीं है, हमें सरकारी स्कूलों के मानक और गुणवत्ता में सुधार करने की जरूरत है, यह निजी स्कूलों के बराबर होना चाहिए। आप दिल्ली में अपने काम के लिए जानी जाती है। भाजपा पर परोक्ष रूप से हमला करते हुए सिसोदिया ने कहा कि आप की नीति बिल्कुल स्पष्ट है कि सार्वजनिक धन का इस्तेमाल लोगों के उत्थान के लिए किया जाना चाहिए न कि कुछ चुनिंदा दोस्तों के लिए। इस बीच, आप के सांसद राघव चड्ढा आज सुबह राजकोट पहुंचे और सौराष्ट्र क्षेत्र में पार्टी के लिए प्रचार करने वाले हैं। उन्हें गुजरात चुनाव का सह प्रभारी नियुक्त किया गया है। रविवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान राज्य का दौरा करेंगे।

सीतापुर में इंटर के छात्र ने प्रिंसिपल को मारी गोली

» तीन गोली मारी, गंभीर हालत में लखनऊ रेफर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सीतापुर। सदरपुर में जहांगीराबाद के आदर्श रामस्वरूप इंटर कालेज के प्रधानाचार्य को इंटर के छात्र ने गोली मार दी। गोली, सिर और जांघ में लगी है। गंभीर रूप से घायल प्रधानाचार्य राम सिंह वर्मा निवासी दानपुरवा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिसवां लाया गया है, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें लखनऊ भेज दिया गया है। पुलिस घटना की वजह तलाशने में जुटी है।

जहांगीराबाद में आदर्श रामस्वरूप इंटर कालेज है। प्रबंधक अमर सिंह वर्मा और उनके बड़े भाई रामसिंह वर्मा कालेज के प्रधानाचार्य हैं। अमर सिंह वर्मा ने बताया कि बारहवीं में पढ़ने वाले इस छात्र ने शुक्रवार को कालेज के एक अन्य छात्र की पिटाई कर दी थी। इसको लेकर प्रधानाचार्य ने उसे दो थप्पड़ मार दिए थे। आज उनके भाई प्रधानाचार्य राम सिंह वर्मा कालेज के पास पहुंचे ही थे, उसी समय छात्र ने उन्हें गोली मार दी। छात्र ने राम सिंह पर तीन फायर किए। गोली, सिर और जांघ में लगी। प्रधानाचार्य की हालत गंभीर है। लखनऊ में उपचार चल रहा है। प्रधानाचार्य राम सिंह वर्मा की बड़ी बहू अंजली ने बताया कि छात्र ने गोली मारने की धमकी भी दी थी। हमने सोचा कि छात्र है गुस्से में बोल गया। इस वजह से उसकी धमकी को गंभीरता से नहीं लिया गया। सदरपुर थानाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने मामले में कहा कि बारहवीं के छात्र ने प्रधानाचार्य को गोली मारी है। घायल प्रधानाचार्य का इलाज लखनऊ में चल रहा है। छात्र की तलाश की जा रही है।

फोटो: 4पीएम

शुभारंभ नगर निगम लखनऊ की ओर से 1090 चौराहा से लेकर नगर निगम तक इंडिया स्वच्छता लीग का शुभारंभ हुआ। ऊर्जा मंत्री एस के शर्मा ने कार्यक्रम की शुरूआत की।

प्रसपा चलाएगी यदुकुल पुनर्जागरण मिशन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के प्रमुख शिवपाल यादव शनिवार को राष्ट्रीय परिवर्तन दल के मुखिया और कद्दावर नेता डीपी यादव संग नजर आए। दोनों जिला गाजियाबाद में मौजूद थे। संयुक्त रूप से एक प्रेस वार्ता की और संदेश दिया कि उत्तर प्रदेश में यदुकुल पुनर्जागरण मिशन की शुरुआत कर रहे हैं, जिसका मकसद दबे-कुचले लोगों को इकट्ठा करके आगे बढ़ाना होगा। प्रसपा सुप्रीमो ने कहा कि अखिलेश यादव ने जिस तरीके से सदन में अगली सीट मांगी थी, अगर वह चाहते तो नाम की स्लिप बदल देते। किसी को कुछ कहने की जरूरत ही नहीं थी। वो विपक्ष के लीडर हैं, उन्हें सीट मांगने की जरूरत नहीं थी। सरकार की पोल खोलना, मुद्दे उठाना, आंदोलन-प्रदर्शन करना विपक्ष की जिम्मेदारी है। शिवपाल यादव ने कहा, जितने लोगों को सामाजिक न्याय नहीं मिला है, हम उन्हें इकट्ठा करके संगठन बना रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।